वीनस कोनो वीडर

परिचय

वीनस कोनो वीडर का उपयोग उन धान की फसलों में खर पतवार के लिये किया जाता है जो सीधी कतारों में बोई गई हों। इस यंत्र के उपयोग से श्रमिकों पर होने वाले व्यय में भारी कमी होती है।

कोनो वीडर का निर्माण एक सबल व स्थाई लोहे ∪फ्रेम पर किया जाता है जो की हर स्थिति में आपका साथ देगा।

कोनो वीडर के दोनो कोन बहुत भारी लोहे की चादर से निर्मित हैं जिनका उपयोग आप कुशलता से कर सकते हैं।

कोनो वीडर को आसानी से फिट किया जा सकता है।

एक व्यक्ति इसे आसानी से चला सकता है।

एसेंबली :

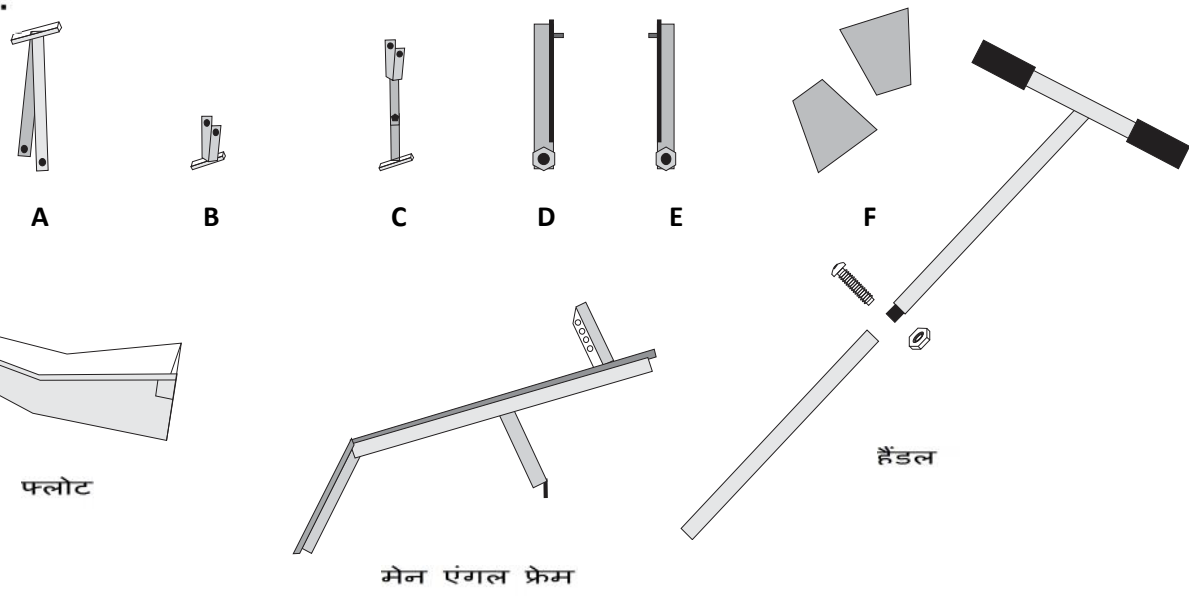

'V' आकार के पार्ट 'A' को मेन एंगल फ्रेम के नीचे नट और बोल्ट से चित्र के अनुसार कस दें।

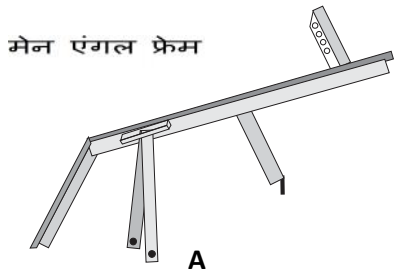

'U' आकार के पार्ट 'B' को मेन एंगल फ्रेम Bउपर नट और बोल्ट से चित्र के अनुसार कस दें।

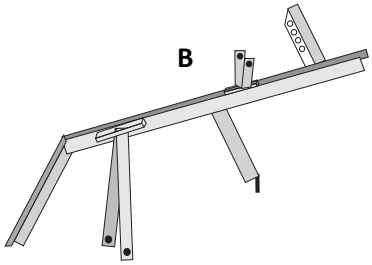

पार्ट 'C' को मेन एंगल फ्रेम के उपर नट और बोल्ट से चित्र के अनुसार कस दें। ये पार्ट दो हिस्सों में है और नट बोल्ट से आपस में जुड़ा है।

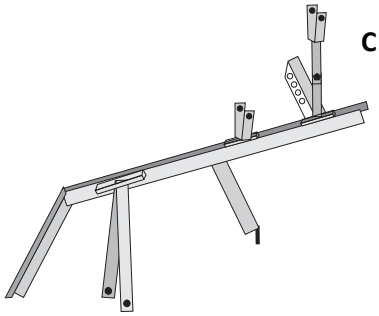

अब आप पार्ट 'D' और 'E' को चित्र के अनुसार मेन एंगल फ्रेम के दोनों तरफ नट बोल्ट से कस दें।

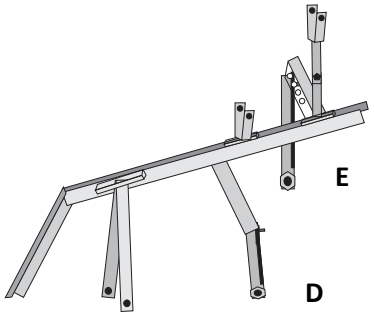

दोनो कोन को एक दूसरे की विपरीत दिशा में मोटे बोल्ट से चित्र के अनुसार कस दें।

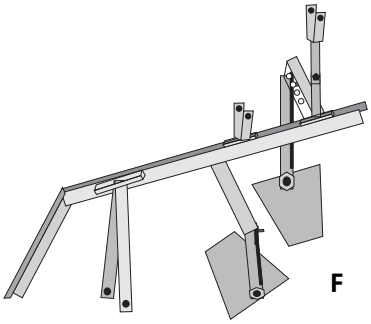

हैंडल के दोनों भागों को आपस में चित्र के अनुसार कस दें।

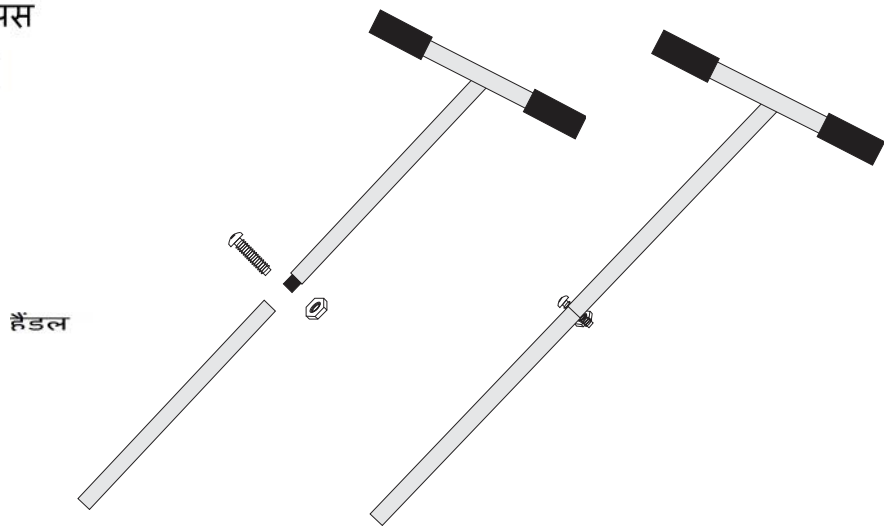

अब इस हैंडल को पार्ट 'B' और पार्ट 'C' से चित्र के अनुसार नट बोल्ट से जोड़ दें।

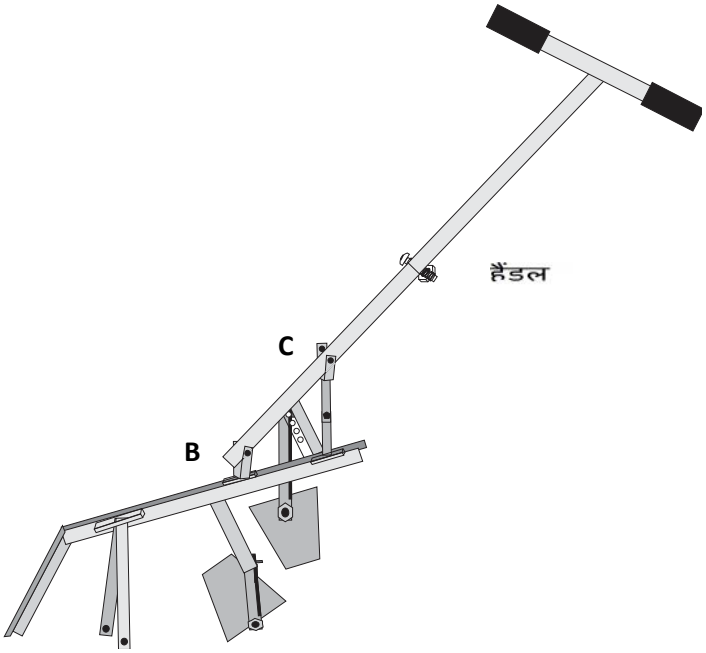

अंत में प्लास्टिक के बने फ्लोट को मेन एंगल फ्रेम और पार्ट 'A' के फोर्क से चित्र के अनुसार जोड़ दें।

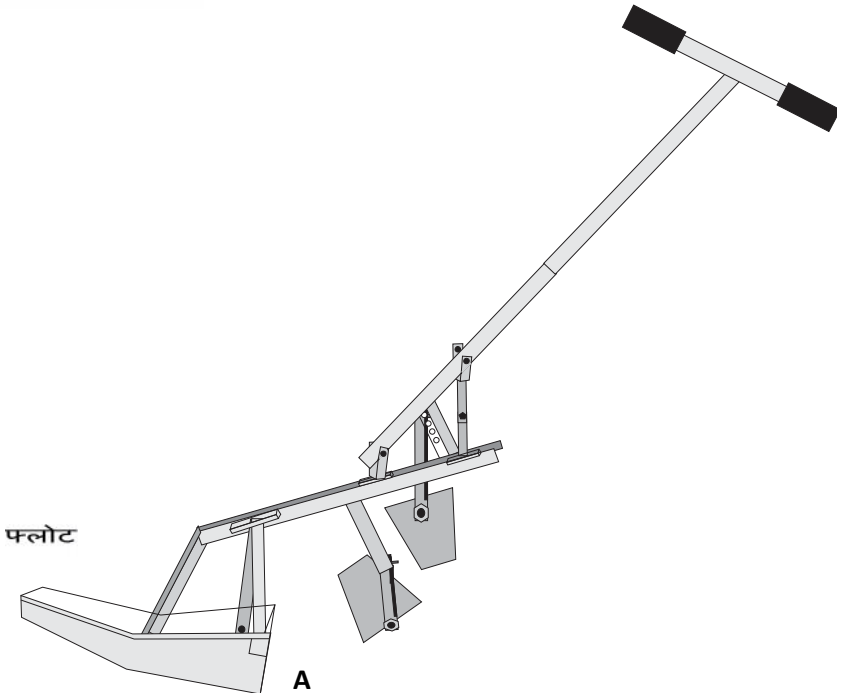

अब आपका कोनो वीडर उपयोग के लिए तैयार है।

उपयोग की विधि :

पैडी ड्रम सीडर द्वारा बोई गयी धान की फसल में कोनो वीडर बहुत लाभकारी सिद्ध हुआ है।

कोनो वीडर का उपयोग केवल और केवल गीले और पानी से भरे खेत में ही करें। कभी भी इसका उपयोग सूखे खेत में न करें।

उपयोग के लिये कोनो वीडर को धान के पौधों की दो कतारों के बीच में रखें।

अब इसे ढकेलते और खीचते (पुश और पुल) हुऐ आगे बढ़ते जाएँ।

वीडर को कतारों के बीच के समस्त खाली स्थानों पर चलाएं।

ध्यान रखें कि फसल के ऊपर वीडर ना चले ताकी धान के पौधों को कोई क्षति ना पहुंचे।

वीडर के कोन में लगे दांतेदार ब्लेड खर पतवार को नष्ट करते चलेंगे तथा सादे ब्लेड भूमि को बराबर करते चलेंगे।

निराई :

यदि खेत में सही रूप से सिंचाई द्वारा पर्याप्त मात्रा में पानी रहता है तो खर पतवार की प्राकृतिक रोकथाम हो जाती है।

फिर भी फसल की सही देख भाल के लिए समय समय पर वीडर का उपयोग आवश्यक है।

पहली निराई की आव्यशकता बोआई के लगभग १० दिन के अपरान्त होती है।

जैसे जैसे पौधे बड़े होते जाते हैं, खेत में १० दिनों के अंतराल में २ से ३ बार निराई की आव्यशकता होती है।

रख रखाओ :

निराई के उपरान्त वीडर की सफाई अनिवार्य है।

वीडर के भण्डारण से पूर्व इसके समस्त भागों को अच्छी तरह से साफ़ करके पूरी तरह सुखा लेना चाहिए। इन्हे नमी और सीलन से बचा कर रखना चाहिए ताकी मोर्चा न लगने पाये।

समस्त चलने वाले भाग जैसे की दोनों कोन के अंदर लगी शाफ्ट पर समय समय पर मशीन आयल लगाएं जिससे मोर्चा न लगने पाये।

इसके प्लास्टिक से निर्मित भागों को चूहों से बचाकर रखें।

स्पेयर पार्ट :

वीनस कोनो वीडर के समस्त स्पेयर पार्ट हमारे यहां या हमारे डीलरों के पास उपलब्ध हैं। इन्हे आव्यशकता पड़ने पर खरीदा जा सकता है।

कृषक भाई हमारी वेबसाइट **www.drumseeders.com** पर सारी जानकारी व खरीदारी के लिए आमंत्रित हैं।